University in News on 19 October 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

पोस्टर बनाने में मानसी-अमृता अव्वल

लखनऊ। लविवि के व्यापार प्रशासन विभाग में बुधवार को वैश्विक नैतिकता दिवस पर व्यावसायिक प्रबंधन में नैतिक संघर्ष विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता हुई। इसमें एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स के तीसरे सेमेस्टर की छात्रा मानसी कनौजिया और अमृता सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुख्य वक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने कहा कि हमारी नई पीढ़ी पुराने लोगों से अधिक समझदार है। हमें उनकी जरूरतों को समझना होगा। संवाद

शिक्षा संग उद्देश्यों को समझें विद्यार्थी

लखनऊ। लखनऊ विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा हासिल करने के साथ ही अपने जीवन के उद्देश्यों और

समाज के प्रति नैतिक मूल्यों को भी समझें। इससे उन्हें शिक्षा के साथ ही व्यवहारिकता को समझने का मौका मिलेगा। वे लविवि में नए विद्यार्थियों के लिए आयोजित ओरिएंटेशन में छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी व अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. गीतांजली ने शिक्षा में नवाचार की सीख दी। कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू ने भी अहम जानकारियां दीं। चीफ प्रोक्टर प्रो. अनूप सिंह, एलयूएए निदेशक प्रो. रूपेश कुमार, डॉ. ज्योति मिश्रा, वैशाली सक्सेना, अशोक कैथल व मैत्रेयी प्रियदर्शनी आदि मौजूद रहे। (संवाद)

i-NEXT PAGE 6

एलयू में बनेगी मेधावी छात्र परिषद, कमेटी गठित

शताक्षी आनंद बनीं छात्रा परिषद की अध्यक्ष

कुलसचिव ने कमेटी गठित कर जारी किया नोटिफिकेशन

LUCKNOW (18) : लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र 2023-24 के लिए जल्द ही मेधावी छात्र परिषद का गठन किया जाएगा. इसकी तैयारी शुरू हो गई है. कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के निर्देश पर कमेटी बना दी गई है. कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है.

जल्द शुरू होगी प्रक्रिया

छह सदस्यीय कमेटी में अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी, अधिष्ठाता एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा, प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, इंचार्ज विदेशी छात्र प्रो. आरपी सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू और को-कन्वीनर के रूप में सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. मोहम्मद अनीस शामिल हैं. जल्द ही कमेटी बैठक कर आगे की प्रक्रिया शुरू करेगी.

नवयुग कन्या महाविद्यालय में नवगठित छात्रा परिषद का शपथ ग्रहण समारोह

LUCKNOW (18 Oct) : नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर में सत्र 2023-24 के लिए बुधवार को नवगठित छात्रा परिषद के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ. बतौर मुख्य अतिथि राज्य सभा सदस्य डा. दिनेश शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि अटारी ग्राम पंचायत की प्रधान संयोगिता सिंह चौहान उपस्थित रहीं. छात्रा परिषद की अध्यक्ष के रूप में बीए की छात्रा शताक्षी आनंद, उपाध्यक्ष यश प्रिया श्रीवास्तव एवं खुशी सिंह चौहान सहित अन्य पदाधिकारियों को प्राचार्य प्रो. मंजुला उपाध्याय ने पद एवं

गोपनीयता की शपथ दिलाई. चीफ गेस्ट डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि बड़े सपने देखें और अपना लक्ष्य निर्धारित करें. कृत संकल्प होकर उस पर निरंतर दृढ़ता के साथ आगे बढ़े. हतोत्साहित न हों. उन्होंने 2022-23 की छात्रा परिषद के पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए. प्रधान संयुक्ता सिंह चौहान ने कहा कि यदि दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो सीमित संसाधनों में भी लक्ष्य को पाया जा सकता है.

पुस्तक का विमोचन

कार्यक्रम में प्रो. मंजुला उपाध्याय, डा. नेहा अग्रवाल, डा. प्रतिमा घोष द्वारा आजादी के अमृत काल के संकल्पों पर आधारित संपादित पुस्तक 'सशक्त भारत: अमृत काल के संकल्प' प्रधानमंत्री के पांच स्तंभों पर विभिन्न मनीषियों द्वारा प्रस्तुत विचार मंथन का विमोचन भी किया गया. इस अवसर पर चीफ प्राक्टर प्रो. डा. मनमीत कौर सोढ़ी, प्रो. संगीता कोतवाल, प्राक्टर डा. विनीता सिंह उपस्थित रहीं.

शुरू करेगी.

गौरतलब है कि मेधावी छात्र परिषद का कार्य एलयू के आयोजनों एवं विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों की भागीदारी को बढ़ावा देना, उन्हें प्रोत्साहित करना, छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षिक और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन करना, विश्वविद्यालय की शैक्षिक परियोजनाओं को विकसित करने में छात्रों की भागीदारी सहित कई कार्य शामिल हैं.

छात्रा परिषद में इन्हें भी चुना गया

सचिव -सुहानी साहू (बीए), संयुक्त सचिव- श्रेया श्रीवास्तव, संकाय प्रतिनिधि-महिमा (वाणिज्य संकाय), अनन्या मिश्रा (कला संकाय), नैंसी त्रिपाठी (विज्ञान संकाय), अनुशासन प्रभारी-अल्पना सिंह, ललिता यादव, अंजली बाजपेई तथा अक्षरा शर्मा.

एलयू में आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम

LUCKNOW (18 Oct): डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, लखनऊ यूनिवर्सिटी ओरिएंटेशन सप्ताह का आयोजन किया किया जा रहा है. अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, भूगोल, भौतिक शिक्षा, उर्दू, संस्कृत, दर्शनशास्त्र आदि परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्साहपूर्वक तीसरे दिन ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय शामिल हुए. उन्होंने परास्नातक छात्रों को विवि में प्रवेश लेने के लिए बधाई दी.

PIONEER PAGE 3

प्रवेश संबंधी उद्देश्य के प्रति सदैव जागरूक रहें छात्र: वीसी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विवि की तरफ से ओरिएंटेशन सप्ताह के तहत बुधवार विवि के मालवीय सभागार में अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, भूगोल, भौतिक शिक्षा, उर्दू, संस्कृत, दर्शनशास्त्र आदि परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी परास्नातक छात्रों को विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने हेतु बधाई दी। साथ विवि द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए उनका ज्ञानवर्द्धन एवं मार्गदर्शन किया। कुलपति ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में नवप्रवेशी परास्नातक विद्यार्थियों को प्रवेश संबंधी उद्देश्यों के प्रति सदैव जागरूक व सचेत रहने तथा अपने माता.पिता, परिवार और विशवविद्यालय के प्रति कृतज्ञ और समर्पित रहने की सलाह दिया। कुलपति ने विद्यार्थियो को परिणाम

की अपेक्षा ज्ञान की प्रक्रिया को समझने हेतु प्रेरित किया। विद्यार्थी विवि के किसी भी प्रकोष्ठ से 24 घंटे संपर्क स्थापित कर सकते हैं। कला संकाय के डीन प्रो अरविंद अवस्थी ने छात्रों को विश्वविद्यालय का हिस्सा बनने पर बधाई दी, जो न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर एक अलग श्रेणी साबित हुई है। उन्होंने उनके आगामी शैक्षणिक सत्रों के लिए शुभकामनाएं दीं। चीफ प्रॉक्टर प्रो राकेश दिवेदी ने नवागंतुकों को विश्वविद्यालय के विभिन्न नियमों और विनियमों से अवगत कराया और उन्हें ईमानदारी और नैतिकता सहित विश्वविद्यालय के मूल मूल्यों का पालन करने के लिए कहा। छात्रों को संबोधित करते हुए डीन अकादमिक प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने विवि के गौरवशाली इतिहास को बताया और छात्रों से अपने मातृ संस्थान के स्वस्थ शैक्षणिक विकास में योगदान देने का आह्वान किया। हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी की निदेशक प्रोफेसर मैत्रेयी प्रियदर्शनी ने छात्रों के मानसिक कल्याण को प्रोत्साहित किया और लैब के उद्देश्य के बारे में बात कीए जो शांतिए प्रेम और सार्वभौमिक सद्भाव की दुनिया बनाने के लिए खुशी की स्वदेशी धारणा को समझने के लिए युवाओं के विचारों को सशक्त बनाना है। प्रो. अशोक कुमार कैथल अतिरिक्त डीएसडब्ल्यू ने डीन छात्र कल्याण के तहत टीआईई, ओपीडी और छात्रवृत्ति आदि जैसी विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। प्रो. अनूप कुमार सिंह चीफ प्रोवोस्ट, प्रोफेसर रूपेश कुमार निदेशक एलयूएए, डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ ज्योति मिश्रा, डॉ वैशाली सक्सेना निदेशक परामर्श और मार्गदर्शन सेलए प्रोफेसर रश्मि कुमार निदेशक आईसीसी, संयोजक डॉ रोली मिश्रा ने छात्रों को एक छात्र के रूप में उनसे अपेक्षाओं पर संबोधित किया। समितियों और प्रकोष्ठों के प्रतिनिधियों ने छात्रों को दृष्टिकोण के बारे में समझाया और जानकारी दी।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 6

लविवि का दीक्षांत समारोह 6 दिसंबर को

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 6 दिसंवर 2023 को होना सुनिश्चित हुआ है। इस दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि भारतीय स्पेस रिसर्च संस्थान (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ हो सकते है। इस दीक्षांत समारोह में कुल 197 मेडल दिए जाएंगे, जिसमें 15 मेडल विश्वविद्यालय की तरफ से और 182 मेडल प्रायोजित होते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न पाठ्यक्रमों से संबंधित लगभग 53,000 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए तैयारियां शुरू हो गयी है, बताया जाता है कि सेल्फी प्वाइंट के पीछे 17 लाख रुपए की कीमत से एक अन्य निर्माण किया जा रहा है, जो देश प्रेम से और ओत प्रोत होगा। पहली बार एसके अग्रवाल गोल्ड मेडल एमएससी वायोकेमेस्ट्री के टॉपर को अवार्ड दिया जाएगा। यह मेडल 197 मेडल में ही सम्मिलित है।

इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ हो सकते हैं मुख्य अतिथि

JAGRAN CITY PAGE I, III

'विद्यार्थी किसी भी प्रकोष्ठ से 24 घंटे कर सकते हैं संपर्क'

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में चल रहे ओरिएंटेशन सप्ताह में बुधवार को अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, भूगोल, भौतिक शिक्षा, उर्दू, संस्कृत, दर्शनशास्त्र आदि परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम हुआ। इसमें नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने प्रवेश लेने के लिए छात्र-छात्राओं को बधाई दी। साथ ही विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं

छात्र-छात्राओं को संबोधित करते कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ● सौ. लवि

योजनाओं की जानकारी साझा की।

कुलपति ने कहा कि विद्यार्थी एक्स, वाट्सएप या अन्य माध्यम से विश्वविद्यालय के किसी भी प्रकोष्ठ एवं प्रशासनिक अधिकारियों से 24 घंटे संपर्क स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रवेश संबंधी उद्देश्यों के प्रति सदैव जागरूक रहने, माता-पिता, परिवार और विशवविद्यालय के प्रति कृतज्ञ एवं समर्पित रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद अवस्थी, चीफ प्राक्टर प्रो. राकेश दिवेदी, डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा, हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी की निदेशक प्रो. मैत्रेयी प्रियदर्शनी, प्रो. अशोक कुमार कैथल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

लवि: बनेगी मेधावी छात्र परिषद, कमेटी गठित

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र 2023-24 के लिए जल्द ही मेधावी छात्र परिषद का गठन किया जाएगा। कुलपति

प्रोफेसर आलोक कुमार राय के निर्देश पर कमेटी बना दी गई है। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। छह सदस्यीय कमेटी में अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी, अधिष्ठाता एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा, प्राक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी, इंचार्ज विदेशी छात्र प्रो. आरपी सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू और को-कन्वीनर के रूप में सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. मोहम्मद अनीस शामिल हैं। जल्द ही कमेटी बैठक कर आगे की प्रक्रिया शुरू करेगी।

THE PIONEER PAGE 3

LU ORIENTATION WEEK

Lucknow University's Dean of Students' Welfare Prof Sangeeta Sahu organised Orientation Week which was attended by a large number of students admitted to Economics, AIH and Archaeology, Geography, Physical Education, Urdu, Sanskrit, Philosophy, Linguistic and other courses in the academic session 2023. In the orientation programme, the students were given an overview of the university's policies and procedures. In his presidential speech, Vice-Chancellor Prof. Alok Kumar Rai congratulated the students for their new beginning in the university. He encouraged the students to build and enrich themselves for the process, not outcomes and said for any kind of assistance, they could contact the university officials. Chief Proctor Prof Rakesh Dwivedi informed the newcomers of the various rules and regulations of the university and asked them to follow the university's core values including honesty and morality; uprightness and pursuit of excellence.

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लॉ फेस्ट प्रतियोगिता में लविवि छात्राओं को मिला तीसरा स्थान

स्वतंत्र भारत संवाददाता

लखनऊ। महर्षि विश्वविद्यालय नोएडा ने लॉ फेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। लॉ फेस्ट की नेशनल क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता में विधि संकाय लखनऊ विश्वविद्यालय की तृतीय वर्ष की छात्रा शैलजा सिंह एवं साक्षी लोधी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्राओं को भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालकृष्णन द्वारा सम्मानित किया गया। दोनों छात्राओं को ट्रॉफी एवं सम्मान में 3000 की प्रोत्साहन राशि भी दी गई। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने छात्रों को बधाई दी। विधि संकाय के डीन प्रो.बीडी सिंह ने भी छात्रों को प्रोत्साहित किया और अन्य छात्रों को इनसे सीख लेने को कहा।

कुलपति ने नवप्रवेशी छात्रों का किया ज्ञानवर्धन

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र में अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, भूगोल, भौतिक शिक्षा, उर्दू, संस्कृत, दर्शनशास्त्र आदि परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्साहपूर्वक डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन सप्ताह के तीसरे दिन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत डीन स्टूडेंटस वेलफेयर द्वारा कुलपति को पुष्प गुच्छ भेंटकर एवं स्वागत भाषण के साथ हुई। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति ने सभी परास्नातक छात्रों को विवि में प्रवेश लेने के लिए बधाई दी। साथ कुलपति ने विवि द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों एवं योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए उनका ज्ञानवर्धन एवं मार्गदर्शन किया। कुलपति ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में नवप्रवेशी परास्नातक विद्यार्थियों को विवि में प्रवेश के लिए बधाई दिया तथा उन्हें प्रवेश संबंधी उद्देश्यों के प्रति सदैव जागरूक व सचेत रहने तथा अपने माता-पिता, परिवार और विवि के प्रति कृतज्ञ और

समर्पित रहने की सलाह दिया। कुलपति ने विद्यार्थियों को परिणाम की अपेक्षा ज्ञान की प्रक्रिया को समझने के लिए प्रेरित किया । विद्यार्थी विवि के किसी भी प्रकोष्ठ से 2437 संपर्क स्थापित कर सकते है। कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद अवस्थी ने छात्रों को विवि का हिस्सा बनने पर बधाई दी। जो न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर एक अलग श्रेणी साबित हुई है। इसके अलावा उन्होंने उनके आगामी शैक्षणिक सत्रों के लिए शुभकामनाएं दीं। चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश दिवेदी ने नवागंतुकों को विवि के विभिन्न नियमों और विनियमों से अवगत कराया और उन्हें ईमानदारी और नैतिकता सहित विवि के मूल मूल्यों का पालन करने के लिए कहा। छात्रों को संबोधित करते हुए डीन अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने विवि के गौरवशाली इतिहास को बताया और छात्रों से अपने मातृ संस्थान के स्वस्थ शैक्षणिक विकास में योगदान देने का आह्वान किया। हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी की निदेशक प्रो. मैत्रेयी प्रियदर्शनी ने छात्रों के मानसिक कल्याण को प्रोत्साहित किया और लैब के उद्देश्य के बारे में बात की। जो शांति, प्रेम और सार्वभौमिक सद्भाव की दुनिया बनाने के लिए खुशी की स्वदेशी धारणा को समझने के लिए युवाओं के विचारों को सशक्त बनाना है।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में सेल से 24 घंटे संपर्क करें छात्र

लखनऊ। लखनऊ विवि में ओरिएंटेशन वीक के तहत बुधवार को कला संकाय के कई विभागों का ओरिएंटेशन हुआ। अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, भूगोल, भौतिक शिक्षा, उर्दू, संस्कृत, दर्शनशास्त्र विभाग में पीजी प्रथम सेमेस्टर में एडमिशन लेने वाले छात्रों को कुलपति ने शैक्षणिक गतिविधियों और योजनाओं के बारे में बताया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि कोई भी विद्यार्थी विवि के किसी भी प्रकोष्ठ से 24 इनटू 7 संपर्क कर सकते हैं।

LOKSATYA PAGE 3

विवि के प्रति कृतज्ञ और समर्पित रहने की सलाह

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर का 16-20 अक्टूबर तक ओरिएंटेशन प्रोग्राम हुआ। शैक्षणिक सत्र 2023 में अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, भूगोल, भौतिक शिक्षा, उर्दू, संस्कृत, दर्शनशास्त्र आदि परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने नवप्रवेशी परास्नातक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु बधाई दिया तथा उन्हें प्रवेश संबंधी उद्देश्यो के प्रति सदैव जागरूक व सचेत रहने तथा अपने माता-पिता, परिवार और विश्वविद्यालय के प्रति कृतज्ञ और समर्पित रहने की सलाह दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय के किसी भी प्रकोष्ठ से चौबीस घंटे हर दिन संपर्क स्थापित कर सकते हैं । कला संकाय के डीन प्रो. अरविंद अवस्थी, चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश दिवेदी, हैप्पी थिंकिंग लेबोरेटरी की निदेशक प्रो मैत्रेयी प्रियदर्शनी, प्रो. अशोक कुमार कैथल अतिरिक्त डीएसडब्ल्यू, प्रो अनूप कुमार सिंह चीफ प्रोवोस्ट, प्रोफेसर रूपेश कुमार निदेशक एलयूएए, डिप्टी लाइब्रेरियन डॉ. ज्योति मिश्रा, डॉ. वैशाली सक्सेना निदेशक परामर्श और मार्गदर्शन सेल, प्रो रश्मि कुमार निदेशक आईसीसी, संयोजक डॉ. रोली मिश्रा ने विचार रखे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लॉ फेस्ट में लविवि के विधि संकाय की छात्राओं ने पाया तृतीय स्थान

लखनऊ। महर्षि विश्वविद्यालय, नोएडा के तत्वावधान में लॉ फेस्ट प्रतियोगिता आयोजित कराया गया। लॉ फेस्ट की नेशनल क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता में लविवि की विधि संकाय की तृतीय वर्ष की छात्रा शैलजा सिंह एवं साक्षी लोधी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्राओं को भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश के जी बालकृष्णन द्वारा सम्मानित किया गया। दोनों छात्राओं को ट्रॉफी एवं सम्मान में तीन हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी गयी। लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने छात्रों को बधाई दी एवं विधि संकाय के डीन प्रो. बोडी सिंह ने भी छात्रों को प्रोत्साहित किया एवं अन्य छात्रों को सीख लेने के लिए प्रेरित किया।

HT PAGE 3

Staying 'NAAC ready', LU to start departmental grading system

HT Correspondent
Letters@htlive.com

LUCKNOW:: The Lucknow University is all set to start faculty-wise departmental grading system to help both the faculties and the departments assess their strengths and weaknesses so that they may continuously monitor their progression by addressing the grey areas.

The LU got A++ rating from National Assessment and Accreditation Council (NAAC) in July last year. This has prompted the LU authorities to strengthen their academics round the year by carrying out

The system is expected to help faculty members and departments in self-evaluation and address the drawbacks. FILE

a continuous evaluation of their performances internally so that the university is better prepared when it goes for the next round of assessment.

"We have prepared a proforma that will be soon circulated among the departments and deans of different faculties by next week. We are all very confident that it will provide some kind of level playing field for all the departments and faculties," said Geetanjai Mishra, dean academics.

"The university has 10 faculties, 47 departments and 17 institutes. Of these, faculty of Ayurveda and Unani are autonomous bodies and so they are not a part of this evaluation process. We are concentrating on the faculty of arts, science, law, commerce, education, engineering, fine arts and pharmacy," she explained.

The proforma includes parameters like student support system, research and publications, to address student grievance system and many more, she said.

"Lucknow University is now eyeing to improve its ranking at the international level. In this quest the university is working overtime to help all the 47 departments and faculties to remove their drawbacks if any so that the century old university may now leave a stamp of its class on the international map," an official said.

TOI PAGE 3

WHEN TOI CAMPAIGN HELPED LU's DECRIMINALISATION

Sustained efforts by the newspaper and bold steps by the then VC led to cleansing of the university

Isha.Jain@timesgroup.com

When the Lucknow University, dubbed as India's Oxford, was neck deep in crime and corruption, it was a sustained campaign by TOI and bold initiatives by the then vice-chancellor Prof RP Singh that helped decriminalisation of the campus.

Teachers of that time recall how the varsity was plagued with politicisation of campus and the efforts to cleanse it. They say from the late '90s to early 2000, criminalisation of student politics was at its peak. University hostels became breeding grounds for 'criminals' – a word given to student leaders who vitiated the academic environment with their violent acts. The university became unsafe for women and lost its academic sheen.

Established in 1921, LU is state's largest residential university and home to over 1 lakh students. It has 570 colleges under its ambit. In four decades, from 1940 to 1980, it saw rapid expansion with support from taluqdars and government. It gained merits as a respected place of learning and was referred to as India's Oxford. However, in the next two decades till 2004, the varsity saw a steep downfall with politicisation of campus and violence in the 1990s.

Over the years, it became a haven for goons and politicians leading to deterioration in academic standards, dilution in funding and shortage of teachers. Students were denied their rights and teachers were attacked on a daily basis.

"The nexus between politicians and students, and politics on the campus was rampant. University became a place for criminals. Criminalisation peaked in 1998 when even the high court's order to evacuate hostels couldn't be implemented," recalls Prof Nishi Pandey, who was dean student's welfare during the cleansing drive in 2006. The next three years were crucial as it led to a complete metamorphosis of the university.

> **The police stood as mute spectators. But the media, particularly TOI, played a major role in highlighting the issue. As a result, the university was closed sine die and the judiciary intervened**
> **PROF MANOJ DIXIT |** FORMER PROF, LU

Led by VC RP Singh, there was removal of crime and corruption, and improvement in administration and infrastructure, recalls Prof Manoj Dixit, one of the two teachers who led the campaign from the front.

The change was triggered when the then UP governor gave strict instructions to improve the prevailing situation. "He was a fearless man and was a strong believer of academics and discipline. His clear vision to transform LU helped the university regain its lost glory.

Violent protests erupted on the campus when Prof Singh announced that student elections would be held in accordance with the recommendations by a committee appointed by the Supreme Court. Despite high pressure to revert the decision, and life threats, Prof Singh stood by his decision," says Dixit. For two weeks, student leaders stopped students and professors from entering the campus at gunpoint and vandalised properties amounting to crores of rupees.

"The police stood as mute spectators. But the media, particularly TOI, played a major role in highlighting the issue. As a result, the university was closed sine die. The judiciary took note of the situation and intervened. The court ordered cleansing of hostels," says Dixit. He recalled how a drunken student leader had barged into the VC's office and hurled profanities.

"It was the support of TOI and extraordinary courage exhibited by Prof Singh that led to removal of anarchy at all levels," he adds. From 2008 onwards, the university saw a sea change. Peace was restored on campus. Academic reforms were introduced. There was focus on quality of teaching, research and employability of students, and infrastructure development and improving administrative efficiency.

Part of the transformation, Prof Pandey says: "I have seen students abusing and threatening me. I have faced it all. It was a very tough call. The campaign duly supported by TOI was an inspiration for other VCs to act more boldly. It had a huge impact on society as there was a reduction in crime rate. The campaign also addressed a wider issue which was a common problem in all universities," she adds.

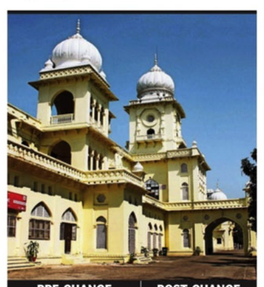

PRE-CHANGE	POST-CHANGE
High criminalisation	No criminalisation
No discipline	Good discipline
No academic environment	Satisfactory academic atmosphere
No safety for girls	Complete security and respect to girl students
Mass copying during examinations	Fair examination process
Corruption in administration & contract works	Reduced corruption
Lack of funds	Sufficient funds

BLOW BY BLOW

#iamLuckNOW

Share a word or phrase that best describes the new Lucknow for you. Get a chance to be featured in The Times of India!

WhatsApp on 99671 56003 or scan to share.

WHEN LU TOOK UP CLEANSING ACT

- **August 2003** Soon after coming to power, Mulayam government directs colleges and universities to hold students' union elections
- **September 22, 2006** Supreme Court guidelines for union elections based on Lyngdoh Committee report
- **September-November 2006** LU witnesses violent protests from student leaders demanding elections
- **November 22, 2006** The then Chief Minister Mulayam Singh Yadav openly supports student leaders
- **December 8, 2006** The then V-C Prof RP Singh announces sine die closure, cancels union elections and expels over 80 tainted students
- **December 15, 2006** After hearing a PIL, HC pulls up state administration & directs it to cooperate with LU
- **May 2007** Mulayam loses elections. Deteriorating law and order on campuses is one of the factors responsible
- **September 7, 2007** The Mayawati government bans student union elections
- **March 6, 2008** Maya government lifts ban but leaves it on university/colleges to take final decision